http://www.uokonline.com

[Question paper contains 8 printed pages]

455

M.A. (Final) Examination, 2019

HINDI LITERATURE

Paper I

काव्य-3 (आधुनिक काव्य)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

*इस प्रश्न में **तीन** खण्ड निम्न प्रकार हैं :*

खण्ड 'अ' अधिकतम अंक-*10*

*इस **खण्ड** में एक अनिवार्य प्रश्न है जिसमें **10** भाग हैं। प्रत्येक भाग का उत्तर लगभग **20** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'ब' अधिकतम अंक-*50*

*इस **खण्ड** में **10** प्रश्न हैं। प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न का चयन करते हुए कुल **5** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'स' अधिकतम अंक-*10*

*इस खण्ड में **4** प्रश्न हैं (प्रश्न के उपभाग हो सकते हैं।) इस खण्ड में एक इकाई से अधिकतम **एक** प्रश्न होगा। प्रश्न संख्या **12** (इस खण्ड का प्रथम प्रश्न) अनिवार्य होगा। शेष तीन प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दिया जाना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **500** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त की प्रमुख काव्य-रचनाओं के नाम लिखिए।

(ख) 'साकेत' की मुख्य पात्र का नाम लिखिए, वह किस प्रकार की नायिका है ?

(ग) 'कामायनी' महाकाव्य में कुल कितने सर्ग हैं ? प्रथम सर्ग का नाम लिखिए।

(घ) प्रसादजी ने कामायनी महाकाव्य की रचना किस दर्शन को आधार बनाकर की ?

(ङ) कवि मुक्तिबोध का पूरा नाम लिखिए।

http://www.uokonline.com

http://www.uokonline.com

(घ) 'अंधेरे में' कविता मुक्तिबोध के किस काव्य संग्रह में संग्रहित है ?

(छ) आधुनिक काव्य का प्रथम शोक गीत किस रचना को माना गया है ?

(ज) प्रयोगवाद का प्रवर्तक किस कवि को माना गया है. पूरा नाम लिखिए।

(झ) 'आत्मजयी काव्य' के पौराणिक कथा स्रोत का नाम लिखिए।

(ञ) **'आत्मजयी' में वाजश्रवा कौन है,** परिचय दीजिए।

खण्ड ब

इकाई-I

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

उस रुदन्ती विरहिणी के रुदन-रस के लेप से,
और पाकर ताप उसके प्रिय-विरह विक्षेप से,
वर्ण-वर्ण सदैव जिनके हों विभूषण कर्ण के,
क्यों न बनते कविजनों के ताम्रपत्र सुवर्ण के ?
पहले आँखों में थे, मानस में कूद मग्न प्रिय अब थे.

http://www.uokonline.com

छींटे वहाँ उड़े थे, बड़े-बड़े अश्रु वे कब थे ?
उसे बहुत थी विरह के एक दण्ड की चोट,
धन्य सखी देती रही, निज यत्नों की ओट।

3. सखि, नील नभस्सर में उतरा,
यह हंस अहा! तरता तरता,
अब तारक-मौक्तिक शेष नहीं,
निकला जिनको चरता चरता।
अपने हिम-बिन्दु बचे तब भी,
चलता उनको धरता धरता।
गढ़ जायें न कण्टक भूतल के,
कर डाल रहा डरता डरता।

इकाई-II

सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

4. **ओ चिन्ता की पहली रेखा, अरी विश्ववन की व्याली**
ज्वालामुखी स्फोट के भीषण प्रथम कम्प सी मतवाली
हे अभाव की चपल बालिके, री ललाट की खल रेखा।
हरी-भरी-सी दौड़ धूप, ओ जल-माया की चल रेखा।

http://www.uokonline.com

http://www.uokonline.com

5. "धिक जीवन जो पाता ही आया विरोध,
धिक साधन जिसके लिए सदा ही किया शोध,
जानकी! हाय उद्धार प्रिया का हो न सका।
वह एक और मन रहा राम का जो न थका
जो नहीं जानता दैन्य, नहीं जानता विनय,
कर गया भेद वह मायावरण प्राप्त कर जय,
बुद्धि के दुर्ग पहुँचा विद्युत गति हत चेतन,
राम में जगी स्मृति हुए सजग पा भाव प्रमन।

इकाई-III

6. अंधेरे की स्याही में डूबे हुए देव को सम्मुख पाकर
मैं अति दीन हो जाता हूँ पास कि
बिजली का झटका
कहता है—"भाग जा, हट जा,
हम हैं गुजर गये जमाने के चेहरे
आगे तू बढ़ जा।"

http://www.uokonline.com

http://www.uokonline.com

[illegible] न दबा किसी [illegible] को।
गम्भीर दृढ़ता को सलवटें वैसी हो,
शब्दों में गुरुता।

7. मुक्तिबोध की 'अंधेरे में' कविता में फैन्टेसी (फन्तासी) का सार्थक प्रयोग हुआ है, स्पष्ट कीजिए।

इकाई-IV

8. श्रेय नहीं कुछ मेरा,
मैं तो डूब गया था स्वयं शून्य में।
वीणा के माध्यम से अपने को मैंने
सब कुछ को सौंप दिया था—
सुना आपने जो वह मेरा नहीं,
न वीणा का था। वह तो सब कुछ की तथता थी,
महाशून्य! वह महामौन
अविभाज्य, अनाप्त, अद्रवित, अप्रमेय
जो शब्दहीन। सब में गाता है।"

http://www.uokonline.com

अज्ञेय की लम्बी कविता 'असाध्य वीणा' का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

इकाई-V

10. जो मस्तक विराट
अभी नहीं मुकुट और अलंकार
अभी नहीं तिलक और राज्य भार।
तेजस्वी चिन्तित ललाट! है मुझको
सदियों तपस्याओं में जी सकने की क्षमता।
पाऊँ कदाचित वह इष्ट कभी
जो अमरत्व जिसे
सम्मानित करते मानवता सम्मानित हो।

11. 'आत्मजयी' के मूल कथ्य को प्रस्तुत करते हुए इसका उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-स

12. 'साकेत' के नवम सर्ग के आधार पर नायिका उर्मिला के वियोग का वर्णन कीजिए।

13. "'राम की शक्ति पूजा' अपने लघु कलेवर में भी महाकाव्य की सी गरिमा, विशालता और जीवनी शक्ति समेटे हुए है।" इस कथन के आधार पर इस काव्य की समीक्षा कीजिये।

14. अज्ञेय की दीर्घ कविता 'असाध्य वीणा' के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

15. 'आत्मजयी' के मुख्य पात्र 'नचिकेता' की चारित्रिक विशेषताएँ सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

Whatsapp @ 9300930012
Your old paper & get 10/-
पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

http://www.uokonline.com